Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Project in Environment Science

Session: 2021-2022

Name of the Project: Project on Damage to Environment & Ecological System

Number of Students Enrolled: 09

Name of Co-ordinator : Dr. Lalita Punnaya

Brief Report of Activity

Academic Year- 2021-2022

Name of Project	Project on Damage to Environment and Ecological System
Academic Year of the project	2021-2022
Subject/ Course under which the project is taken	Environment Science
Number of students Completing the course	09 Students
Brief Report	The project on Damage to Environment and Ecological System was given to the students of Environment Science as one of the compulsory course of RTM Nagpur University in which the project work is mandatory for the students to complete. Accordingly 09 students completed the project and submitted their project reports. They were awarded grades on their project work.
Project outcomes	• The students learnt a lot through the project regarding Damage to Environment and Ecological System • They found out different aspects of the topic under study. • They completed the project under the guidance of the course co-ordinator. • They are now able to handle project on another topic also.
Number of Beneficiaries:	Students: 09
Criterion No: I	Metric No: 1.3.2

Signature of Course Co-ordinator	Signature and Stamp of IQAC Co-ordinator	Signature & Stamp of Principal
	Co-ordinator, IQAC Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur	Principal Yashoda Girls Arts & Commerce College,Sneh Nagar,Nagpur-15

List of students completing the project

Purushottam Khaparde Health & Education Society's

Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Accredited B++ by NAAC

■ Recognized by Government of Maharashtra ■ Affiliated to RTM Nagpur University, Nagpur
SNEH NAGAR, WARDHA ROAD, NAGPUR - 440 015. (M.S.) INDIA
■ Tel. : 0712-2290637 ■ Fax No.: 0712- 2290368 ■ Website : www.yashodagirlscollege.edu.in ■ Email : ygc.ngp@rediffmail.com

YGC No./ Date

Project in Environment Science as per RTM Nagpur University Curriculum

Tile of the Pro Project on factors affecting Environment and Ecological System

Number of students completing the project : 09

Session 2021-2022

Sr. No.	Name of the students enrollment in project
1	SABA PARVEEN SHAIKH MEHBOOB
2	YAMUNA SHRIRAM GABHANE/NEW
3	AARTI SHANKAR SONDHIYA
4	PRANALI SHRIRAM WANGE
5	SAKSHI sanjay JUNGHARE
6	JYOTSNA JAGJIWAN SAHU
7	KIRAN BHAIYAJI KUMRE
8	SNEHAL AJAY KAMBLE
9	YAMINI GUNWANTA KAMBLE

Signature of Project Co-ordinator

(Dr. Lalita Punnaya)

Signature of the Principal

Principal
Yashoda Girls Arts & Commerce College,Sneh Nagar,Nagpur-15

SEAL

Co-ordinator, IQAC
Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Project copy

EVS साईमा

Page No. Date

Yashoda Girls Arts & Commerce College

Name :- Saima Afreen

Class :- B.A Part II (4th Semester)

Subject :- E.V.S → Assignment

SEAL

PRINCIPAL
Yashoda Girls Arts & Commerce College
Sneh Nagar, Nagpur-15

2021-22

Page No. 1　　Date

पर्यावरण अवनयन

पर्यावरण अवनयन का मतलब होला पर्यावरण का गुणवत्ता में कमी। ई एगो एक प्रकार हव प्रदूषण जेवना में प्राकृतिक पर्यावरण में कौनो अइसन चीज क प्रवेश मनुष्य के काम द्वारा होला जेवना से प्राकृतिक पर्यावरण क व्यवस्था गड़बड़ा जाला आ एकरी गुणवत्ता में कमी होला। हवा, पानी अउरी माटी में मनुष्य द्वारा फइलावल गंदगी से होखे वाला प्रदूषण अइसने एगो घटना बा।

पर्यावरण क पढ़ाई करे वाला विज्ञान के पर्यावरण विज्ञान कहल जाला। एकरी आलावा भूगोल में एकर अध्ययन होला।

SEAL

इकोलॉजी

इकोलॉजी में जीव सभ आ उनहन के बीच क्रिया-प्रतिक्रिया क अध्ययन आ बैज्ञानिक बिस्लेषण कइल जाला। ए बिज्ञान के पर्यावरणीय-जीव बिज्ञान भी कहल जाला। मुख्य रूप से इ बिज्ञान कौनो आस्थान को पर्यावरण के एगो सिस्टम मान के ओकर अध्ययन करे ला।

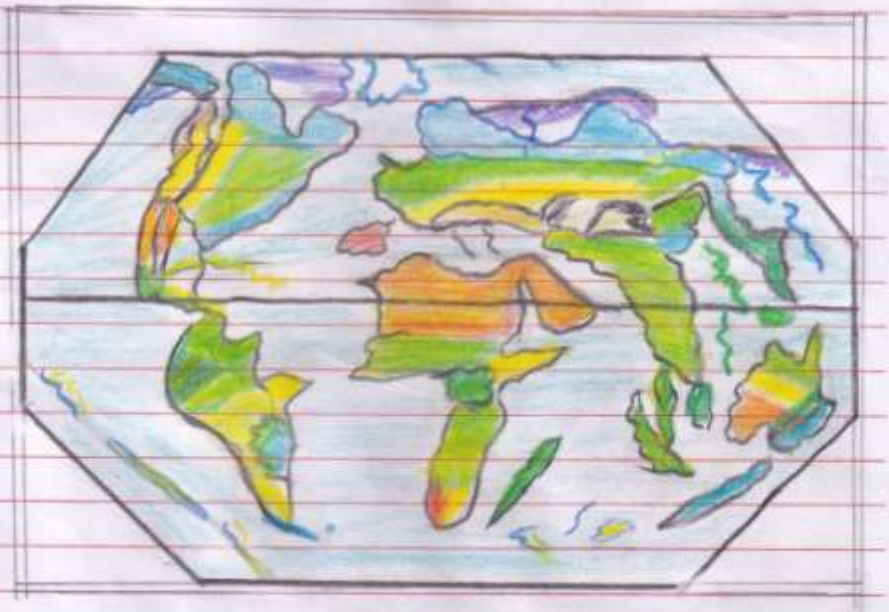

SEAL

पर्यावरण दर्शन

पर्यावरण दर्शन दर्शनशास्त्र के शाखा हवे जे एह बात पर विचार करे ले की आदमी क अपना पर्यावरण की बारे में का सोच आ बिचार बा, लोग आपनी पर्यावरण की बारे में कइसे सोचेला। पर्यावरण दर्शन ए बारे मे चिंतन करे ला कि पर्यावरण के मनुष्य की संदर्भ में कइसे देखल जाता बा आ मनुष्य अपना के पर्यावरण की संदर्भ में कइसे देखत बा।

आसान भाषा में कहल जायत ई ए बात क अध्ययन करे ला की हमनी क अपनी पर्यावरण की बारे का सोचत बाड़ीं आ हमहन क अपनी पर्यावरण की बारे में जेवन सोच बा ऊ केतना ठीक बा आ केतना गलत बा। पर्यावरण दर्शन क कुछ मुख्य सवाल नीचे दिहल चीजन से संबंधित बा.

- पर्यावरण आ प्रकृति के कइसे परिभाषा दिहल जाय ?
- पर्यावरण क मूल्यांकन कइसे होखे?

SEAL

- पर्यावरण आ पशु-पक्षी की बारे में नैतिक बिचार का होखे के चाही ?
- लुप्त होखे की खतरा वाली प्रजातिन की बार में राय ?
- पर्यावरण वाद आ डीप इकोलाजी ?

पर्यावरण क सुंदरता आ एकर सुंदरताशास्त्र ?

पर्यावरण के फिर से वापस प्राकृतिक रूप मे अस्थापना, आ

कटाता क प्रयास

विधिक नियम :→ सामान्य तौर पर, वायु गुणवत्ता मानक दो तरह के होते हैं। मानकों की प्रथम श्रेणी (जैसे अमेरिकन राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानक (Natinal Ambient Air Quality Standards)) विशिष्ट प्रदूषकों के लिए अधिकतम सान्द्रता निर्धारित करता है।) पर्यावरण एजेंसियां नियम अधीनियमित करती हैं जिनसे अपेक्षा होती है कि इनसे वांछित स्तर प्राप्त होगे। दूसरी श्रेणी (जैसे की उत्तर अमेरिका का वायु गुणवत्ता सूचकांक

Page No. Date

(Air Quality Index)) जो विभिन्न सीमाओं के साथ एक पैमाने का रूप ले लेता है जिसे जनता को बाहरी गतिविधि से सम्बद्ध जोखिमों से अवगत कराने के लिये उपयोग में लाया जाता है। यह पैमाना विभिन्न प्रदूषकों के बीच भेद कर भी सकता है और नहीं भी कर सकता है।

SEAL

वायु प्रदूषण

वातावरण में हानिकारक पदार्थ

वायु प्रदूषण, रसायनों, सूक्ष्म पदार्थ, या जैविक पदार्थ के वातावरण में, मानव की भूमिका है, जो मानव को, या अन्य जीव जंतुओं को या पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है।

वायु प्रदूषण के कारण मौतें और श्वास रोग होते हैं। वायु प्रदूषण की पहचान, ज्यादातर प्रमुख स्थायी स्रोतों से की जाती है, पर, उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत मोबाइल, ऑटोमोबाइल्स है।

कार्बन डाइ ऑक्साइड जैसी गैसें, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए सहायक हैं, को हाल ही में प्राप्त मान्यता के रूप में मौसम वैज्ञानिक, प्रदूषक के रूप में जानते हैं, जबकि वे जानते हैं, कि, कार्बन- डाइ ऑक्साइड प्रकाश संश्लेषण के द्वारा हम को जीवन प्रदान करता है।

यह वातावरण एक जटिल, गतिशील प्राकृतिक वायु तंत्र है जो पृथ्वी ग्रह पर जीवन के लिए आवश्यक है। वायु, प्रदूषण के कारण समतापमंडल, से हुए ओज़ोन रिक्तीकरण को बहुत पहले से मानव स्वास्थ्य के साथ के पारिस्थितिकी के लिए खतरे के रूप में पहचाना गया है।

SEAL

प्रदूषक

रेगिस्तानी इलाका में माटी के देवाल आ घास छप्पर डाल के घर बना लिहल की आसपास के आर्टिफिशियल पर्यावरण में बदल देला, ऊ प्राकृतिक ना रहि जाला।

हालाँकि, बहुत सारा जियाजंतु आपन घर बनावे लें आ बहुत बड़ आकार के रचना की क देलें, उनहन के कइल बदलाव प्राकृतिक पर्यावरण के हिस्सा मानल जाला।

वास्तव में पूर्ण रूप से प्राकृतिक पर्यावरण पृथ्वी पर साइदे कहीं मिले, आ कौनों की जगह के प्राकृतिकता 100% प्राकृतिक से 0% प्राकृतिकता के बीच कहीं होला। वास्तव में प्राकृतिक पर्यावरण के चीजन के कई तरीका से देखल जा सकेला कि इनहन के प्राकृतिकता मनुष्य के कामकाज के परभाव से केतना सुरक्षित बा। कुछ लोग के कहनाम इहो बा कि जब मनुष्य के काम से पूरा पृथ्वी के जलवायु सिस्टम आ हवा के बनावट में बदलाव हो रहल बा, पृथ्वी के कौनों हिस्सा आज अइसन नइखे बचल जवना के सही अरथ में प्राकृतिक कहल जा सके।

एक ठो दूसर संदर्भ में, प्राकृतिक पर्यावरण शब्द के प्रयोग जीवजंतु के आवास (हैबिटाट) खातिर की होला।

SEAL

उदाहरण खातिर, जब ई कहल जाय कि जिराफ सभ के प्राकृतिक पर्यावरण सवाना घास के मैदान हवे।

पृथ्वी बिज्ञान आ भौतिक भूगोल नियन बिसय, जे मुख्य रूप से एह तरह के पर्यावरण के अध्ययन करे लें, प्राकृतिक पर्यावरण के चार हिस्सा में बाँटे लें: थलमंडल, वायुमंडल, जलमंडल आ जीवमंडल। कुछ बिद्वान लोग हिममंडल (क्रायोस्फीयर, बर्फ वाला हिस्सा) आ मृदामंडल (पेडोस्फीयर, माटी वाला हिस्सा) के अलग से गिने लें आ पृथ्वी के छह गो मंडल में बाँटे लें।

पर्यावरण (अंगरेजी: Environment)

कौनो जीवधारी के चारों ओर पावल जाये वाली सगरी जैविक आ अजैविक चीजन के एकट्ठा रूप हउवे जेवना से ओ जीवधारी के जीवन परभावित होला। पर्यावरण में सगरी प्राकृतिक आ मनुष्य के बनावल चीज भी आ जाला; सगरी जिंदा जीव-जंतु से लेके बेजान चीज ले, सभ कुछ आ जाला। एही से, पर्यावरण में दू तरह के जीव-जंतु पेड़-पौधा, ई चीज गिनावल जाला: "जैविक संघटक" - सगरी जिंदा जीव-जंतु, पेड़-पौधा, बैक्टीरिया आ कीड़ा-मकोड़ा सभ। आ "अजैविक संघटक"

SEAL

- समरी बेजान भौतिक आ रासायनिक चीज, जइसे पहाड़, मैदान, माटी, हवा, पानी इत्यादि।

प्राकृतिक पर्यावरण क मतलब होला अइसन कुल चीज जेवन प्रकृति में अपने आप मिलला आ मनुष्य द्वारा ना बनावल हई। एगो अउरी अर्थ में ओइसन सारा जगहन की पर्यावरण के प्राकृतिक पर्यावरण कहल जाला जहाँ मनुष्य क बहुत कम हस्तक्षेप भइल होखे। प्राकृतिक पर्यावरण की अंग की रूप में कौनो जगह क जमीनी रचना, जलवायु, नदी, झील प्राकृतिक बनस्पति, जीव-जंतु आ इन्हन से जुड़ल सभ तरह क क्रिया के अध्ययन होला। प्राकृतिक पर्यावरण की बिपरीत बनावटी पर्यावरण एगो अइसन पर्यावरण होला जेकरा क रचना आदमी अपनी हिसाब से करेला। बनावटी पर्यावरण में उहे क्रिया-प्रक्रिया होले जेवन प्राकृतिक पर्यावरण में होले लेकिन ई आदमी द्वारा बहुत ढेर नियन्त्रित आ परभावित होले।

SEAL

प्राकृतिक पर्यावरण

प्राकृतिक पर्यावरण

ऊ घाटी छेत्र दृश्य प्राकृतिक पर्यावरण उ ओही जगह कहल हद तक बचल बा जे मानव बस्ती से बहुत दूर होखे।

प्राकृतिक पर्यावरण प्रकृति में अपने आप, यानि प्राकृतिक रूप से पावल जाए वाली समग्री जिंदा आ बेजान चीजन के एकट्ठा रूप हवे। अइसन प्राकृतिक दसा जेह में आदमी के हस्तक्षेप बहुत कम भइल होखे। पूरा ब्रह्मांड प्राकृतिक बा, बाकी ई शब्द अकसर पृथ्वी

SEAL

खातिर इस्तमाल कइल जाला, या पृथ्वी के कौनों खास इलाका खातिर। एह तरह के पर्यावरण में पृथ्वी पर पावल जाए वाली सगरी जीव सभ के प्रजाति, चट्टान, जलवायु, मौसम आ अन्य प्राकृतिक संसाधन सभ के शामिल कइल जाला जेकरा से मनुष्य के जीवन संभव बा आ जवना पर मनुष्य के सगरी, वर्तमान आर्थिक गतिविधि सभ मूल रूप से निर्भर बा।

प्राकृतिक पर्यावरण के विपरीत, मनुष्य के बनावल पर्यावरण बा। पृथ्वी के बहुत सारा इलाका में मनुष्य अपना गतिविधि से मूल प्राकृतिक दसा सभ के एतना बिहले बा, जइसे कि खेती खातिर या शहर बसावे खातिर, कि अब उहाँ के प्राकृतिक पर्यावरण बदल के मनुष्य-निर्मित पर्यावरण बन गइल बाटे। इहाँ तक पर्यावरण का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। मनुष्य एक पल भी इसके बगैर नहीं रह सकता। ..... जल, थल, वायु, अग्नि, आकाश इन्हीं पांच तत्वों से ही मनुष्य का जीवन है और जीवन समाप्त होने पर वह इन्हीं में विलीन हो जाता है। प्राचीन काल में, मनुष्य अपने चारों ओर की सुंदर प्रकृति को सहेज कर रखता था मनुष्य का जीवन बहुत स सीधा - साधा और सरल था।

PRINCIPAL
Yashoda Girls Arts & Commerce College
Sneh Nagar, Nagpur-15

SEAL